स्नातक हिन्दी (सेमेस्टर-चतुर्थ) 2025-26

हिन्दी कहानी: लेखन एवं प्रस्तुति कौशल

Course Type: CC-M-4 (VOC)

विषयकोड- 24UN-HND-VOC-406N पूर्णांक :100

क्रेडिट: 04 (02 सैद्धान्तिक + 02 प्रायोगिक)

सैद्धांतिक –50 अंक लिखित परीक्षा -35 (2 घंटे की परीक्षा) आंतरिक मूल्यांकन-15

प्रायोगिक - 50 अंक प्रायोजना कार्य – 35 बाह्य परीक्षा – 15

शिक्षण अधिगम के उद्देश्य व अपेक्षित परिणाम:-

1. डिजिटल मीडिया, पटकथा लेखन (स्क्रिप्ट) और कंटेंट क्रिएशन जैसे व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना।
2. कहानी के लिए ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित करना।
3. कथालेखन के लिए आवश्यक पात्र, कल्पना, संवाद और भाषाशैली की समझ उत्पन्न करना।
4. सामाजिक समस्याओं के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना।

सैद्धान्तिक भाग

इकाई: 1 निर्धारित कहानियों का तात्विक विश्लेषण

1. परीक्षा: प्रेमचन्द।
2. शरणागत: जयशंकर प्रसाद।
3. हार की जीत: सुदर्शन।
4. कोटर और कुटीर: सियाराम शरण गुप्त।
5. फूलों का कुर्ता: यशपाल।
6. चीफ़ की दावत: भीष्म साहनी।
7. सिक्का बदल गया: कृष्णा सोबती।
8. पिता: ज्ञानरंजन।

इकाई: 2 कहानी लेखन और वाचन के लिए प्रमुख तत्त्वों का ज्ञान

1. कहानी की ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि।
2. कहानी में पात्र चयन और संकल्पना।
3. कहानी में संवाद और भाषाशैली का स्वरूप।
4. कहानी वाचन के लिए उच्चारण कौशल, आरोह-अवरोह।
5. कहानी वाचन के लिए भाव-भंगिमा।

प्रायोगिक भाग (प्रैक्टिकल)

इकाई: 1 कथा लेखनअभ्यास

1. आधुनिक समसामयिक एवं महत्त्वपूर्ण विषयों जैसे बेरोजगारी , नारी सशक्तिकरण आदि पर स्वयंनिर्मित कहानी का लेखन/ई-लेखन।(लगभग 800 से 1000 शब्दों में)
2. ब्लॉग में कथालेखन।
3. ई-पुस्तकलेखन, चित्र आधारित लेखन।

20.03.26

Approved by UGBOS 20.03.2026 (Circulation)
भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय

इकाई: 2 कथावाचन अभ्यास

1. प्रमुख कहानियों के प्रस्तुतिकरण का अभ्यास कराना।
2. वीडियो के माध्यम से कहानी बतलाना।
3. अनुभव आधारित कथावाचन।

परीक्षा प्रारूप

सैद्धांतिक भाग लिखित परीक्षा 2 घंटे कुल 35 अंक

प्रश्न संख्या 1: अतिलघु उत्तरात्मक-प्रश्न 07 अंक

पाठ्यक्रम की दोनों इकाईयों से छात्र 7 अतिलघु-उत्तरात्मक प्रश्न रहेंगे। प्रत्येक प्रश्न का एक अंक होगा।

प्रश्न संख्या 2: निबंधात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से 04 विश्लेषणपरक निबंधात्मक प्रश्न होंगें जिनमे से 2 प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करेंगे। इस प्रकार छात्र कुल मिलाकर 4 प्रश्न हल करेंगें । प्रत्येक प्रश्न 7 अंक 28 अंक

आंतरिक मूल्यांकन 15 अंक

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा।

मूल्यांकन घटक

- कक्षा उपस्थिति : 4 अंक
- सेमिनार/प्रस्तुति/असाइनमेंट/क्विज़/कक्षा परीक्षा आदि: 4 अंक
- मध्यावधि परीक्षा: 7 अंक

प्रायोगिक परीक्षा कुल 50 अंक

(1) प्रायोजना कार्य 35 अंक

1) विद्यार्थी 800 से 1000 शब्दों में स्वरचित कहानी लिखकर उसकी ई-पुस्तक बनायेगा। अंक :15
2) कहानी को वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिये एक वीडियो बनाना। अंक :10
3) ई-ब्लाग पर कोई प्रेरणादायी आत्मानुभव/संस्मरण/यात्रावृतांत को लिखकर उसकीअंक : अंक :10
प्रति तैयार करके लायेगा।

(2) मौखिकी परीक्षा अंक :15

इस मौखिकी परीक्षा के लिये बाह्यपरीक्षक इसका मूल्यांकन करेगा।

निम्न बिंदुओं को ध्यान में रख कर प्रायोजना कार्य का मूल्यांकन करेगा।

- कार्य की मौलिकता जांचने के लिये छात्र से उसकी रचना के मूल तत्त्वों के संदर्भ में छात्र का अवबोध जानना एवं क्रमशः कथानक, विषयवस्तु, पात्र चयन एवं संकल्पना, संवाद एवं पृष्ठभूमि के ज्ञान को भी परखना।

सन्दर्भसूची

1. कहानी संग्रह "मानसरोवर" भाग-3 (परीक्षा): प्रेमचन्द, सुमित्र प्रकाशन, दिल्ली, 2005।
2. कहानी संग्रह छाया: शरणागत: जयशंकरप्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 2008।
3. कहानी संग्रह सुदर्शन की श्रेष्ठ कहानियाँ: हार की जीत: सुदर्शन: राजपाल एंड संस, नई दिल्ली, 2011।
4. कहानी संग्रह मानुषी: कोटर और कुटीर:सियाराम शरण गुप्त, साहित्य भवन, चिरगाँव (झाँसी), 2003।
5. कहानी संग्रह फूलों का कुर्ता: फूलों का कुर्ता: यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005।
6. कहानी संग्रह पहला पाठ: चीफ़ की दावत: भीष्म साहनी, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000।
7. कहानी संग्रह बादलों के घेरे: सिक्का बदल गया: कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998।
8. कहानी संग्रह सम्पूर्ण कहानियाँ: पिता: ज्ञानरंजन, राधाकृष्णन प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 1995।

20.03.26

Approved by UGBOS 20.03.2026 (Circulation)
भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय